[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1908 **D** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 210475

Name of the Course : **Philosophy : Discipline Centered Course for B.A. (Hons.) / B.Sc. (Hons.) Math**

Name of the Paper : Philosophy – IV (Theories of Consciousness) (Readings in Classical Indian Philosophy)

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. How is Adhyasa presented in Brahmasutra Samkara Bhasya ?

   ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य में अध्यास को किस प्रकार प्रस्तुत किया गया है ?

2. According to Kath Upanisad, what is the nature of soul and who is qualified to learn about it ?

कठोपनिषद के अनुसार आत्मा का स्वरूप क्या है तथा इसे जानने का अधिकारी कौन है ?

3. How does Nagasena explain the concept of soul through the example of a chariot ? Discuss in context of Milindapanha.

नागसेन ने रथ के उदाहरण द्वारा आत्मा की अवधारणा किस प्रकार स्पष्ट की है ? मिलिन्दापण्ह के संदर्भ में विवेचना कीजिए ।

4. Discuss Carvaka's refutation of permanent soul as a substance and its Naiyayika critique as expounded in Nyayamanjari.

चार्वाक द्वारा नित्य आत्मा का द्रव्य के रूप में खंडन तथा इसकी नैयायिक आलोचना का विवेचन न्याय मंजरी के अनुसार करें ।

5. Expound the qualities of soul as detailed in Bhagvad Gita.

भगवद् गीता में वर्णित आत्मा की विशेषताएं बताएं ।

6. Discuss the Jain Theory of jiva and ajiva.

जैन दर्शन की जीव तथा अजीव की अवधारणा का विवेचन करें ।

7. Discuss the notion of Soul in Manmeyodaya.

मानमेयोदय में वर्णित आत्मा की अवधारणा का विवेचन करें ।

8. Explain the idea of Rebirth according to Milindpanha.

मिलिन्दापण्ह के अनुसार पुनर्जन्म की अवधारणा की व्याख्या करें ।